हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड

पद्य पाठ योजना

प्राध्यापक / प्रधानाचार्य – रमेश कैन्दल **कक्षा – ग्यारहवीं**

विषय – हिन्दी (आधार) **उपविषय – पद्य**

प्रकरण : हे भूख ! मत मचल **समय – 40 मिनट**

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, काकौत (कैथल)।

अधिगम प्रतिफल :–

1 विद्यार्थियों के सामान्य एवं व्यवाहरिक ज्ञान में वृद्धि करना।

2 विद्यार्थियों को काव्य को जानने व समझने के योग्य बनाना।

3 विद्यार्थियों में तर्क–शक्ति की क्षमता को विकसित करना।

4 विद्यार्थियों को विविध पद्य शैलियों से परिचित कराना।

5 विद्यार्थियों के भाषा ज्ञान को समृद्ध बनाना।

6 विद्यार्थियों में नए शब्दों के अर्थ समझकर अपने शब्द भण्डार में वृद्धि करना।

अधिगम **उद्देश्य :–** विद्यार्थियों को 'अक्क महादेवी ' द्वारा रचित कविता

हे भूख! मत मचल नामक कविता से परिचित कराना।

ज्ञानात्मक उद्देश्य –

1. कविता का रसास्वादन करना।
2. छात्रों को आध्यात्मिक मूल्यों से अवगत कराना।

3. कविता की विषयवस्तु को पूर्व में सुनी या पढ़ी हुई कविता से संबद्ध करना।

4. छात्रों को अपनी इंद्रियों पर नियंत्रण करके अपने लक्ष्य में सफल होने के लिए प्रेरित करना।

कौशलात्मक : .

1 **स्वयं कविता लिखने की योग्यता का विकास करना।**

2 **पाठ में वर्णित कवि.कर्म एवं कृषि.कर्म के बारे में जानकारी प्राप्त करना।**

3 **ईश्वर के प्रति आस्था एवं भक्ति की भावना जागृत करना।**

बोधात्मक –

1. आध्यात्मिकता एवं रहस्यवाद पर प्रकाश डालना।
2. रचनाकार के उद्देश्य को स्पष्ट करना।
3. कविता में वर्णित भावों को हृदयंगम करना।
4. ईश्वर के प्रति भक्ति –भाव प्रकट करना।

प्रयोगात्मक –

1. कविता के भाव को अपने दैनिक जीवन के व्यवहार के संदर्भ में जोड़कर देखना।
2. पद को समझकर स्वयं पद लिखने का प्रयास करना ।
3. कविता का केन्द्रीय भाव अपने शब्दों में लिखना।

अधिगम संसाधन :– ‘ श्यामपट्ट , चॉक , संकेतक , झाड़न आदि।

विशिष्ट अधिगम संसाधन :– समार्ट क्लास रुम , कार्यालयी शैली से युक्त चित्र ,ऑडियो ,विडियो व पी• पी• टी• आदि।

शिक्षण विधि :- उद्देश्य व सार कथन ,विश्लेषण ,व्याख्या , प्रश्नोत्तर , अर्थ ज्ञान के साथ समीक्षा विधि ।

अनुमानित पूर्व ज्ञान :-

1. कविता - रचना के बारे में ज्ञान है।
2. ईश्वर के प्रति भक्ति की भावना है।
3. सामाजिक व्यवहार से वाक़िफ़ हैं।
4. मानवीय स्वभाव की जानकारी है।

पूर्व ज्ञान परीक्षण :–

अध्यापक क्रिया	छात्र क्रिया
1 बच्चो ! क्या आप गद्य और पद्य मं अंतर समझते हो ?	जी सर
2 पद्य की कोई विशेषता बताइए।	कोई जवाब नहीं
3 ईश्वर के प्रति आप अपना विश्वास किस तरह प्रकट करते हैं ?	पूजा –पाठ करके
4 क्या आपने अक्क महादेवी की कोई रचना पढ़ी है ?	भिन्न– भिन्न उत्तर संबांवित

उद्देश्य कथन :- बच्चो ! आज हम आदिकालीन कवयित्री ' अक्क महादेवी ' के द्वारा रचित ईश्वर-भक्ति एवं आध्यात्मिक मूल्यों से प्रेरित पाठ ' हे भूख !..... और हे मेरे जूही के..... ' का अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :–

शिक्षण बिन्दु	अध्यापक - क्रिया	छात्र - क्रिया	श्याम पट्ट कार्य
कवयित्री-परिचय	' अक्क महादेवी ' का जन्म 12वीं सदी में कर्नाटक के उडुतरी गाँव में ज़िला शोवमिगा में हुआ था। वे अपूर्व सुंदरी थीं। राजा के विवाह प्रस्ताव रखने पर उन्होंने तीन शर्तें रखीं, पर राजा ने पालन नहीं किया; इसलिए महादेवी ने उसी समय घर त्याग दिया। अक्क के कारण शैव आंदोलन से बड़ी संख्या में स्त्रियाँ जुड़ीं और अपने संघर्ष और यातना को कविता के रूप में अभिव्यक्ति दीं।	कवयित्री के बारे में आवश्यक जानकारियाँ अपनी अभ्यास – पुस्तिका में लिखना।	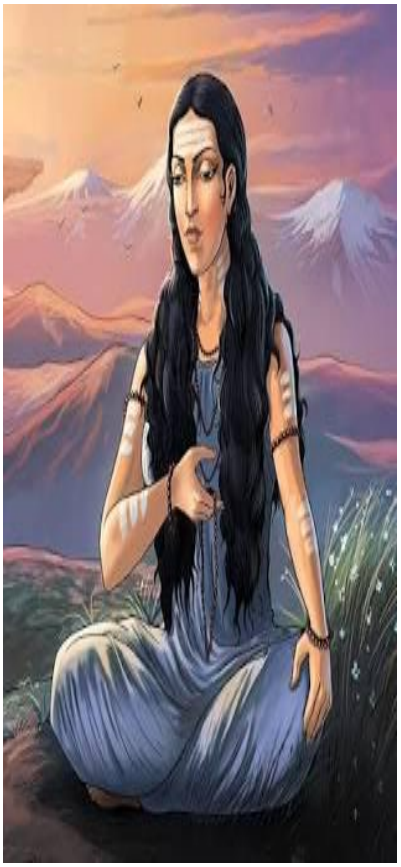
उद्देश्य व सार	**कविता का केन्द्रीय भाव :** पहले वचन में कवयित्री ने भूख, प्यास, क्रोध-मोह, लोभ-मद, ईर्ष्या पर नियंत्रण रखने और भगवान शिव का ध्यान लगाने की प्रेरणा दी है। दूसरे वचन में ईश्वर के सम्मुख संपूर्ण समर्पण का भाव है।	कविता को ध्यानपूर्वक पढ़ना और सुनना तथा समझने का प्रयत्न करना। साथ ही अपनी शंकाओं तथा जिज्ञासाओं का निराकरण करना।	**उद्देश्य** इंद्रियों पर नियंत्रण पा कर प्रभु को सहजता से पाया जा सकता है।

आदर्श वाचन	**प्रथम पद —** हे भूख ! मत मचल – – – – चन्नमल्लिकार्जुन का। कवयित्री के द्वारा इंद्रियों से आग्रह कि मानव को न सताए। मानव के इंद्रियों पर नियंत्रण करने की सलाह। **कवयित्री** के द्वारा अपनी भक्ति प्रकट करना।	उच्चारण एवं पठन – शैली को ध्यान से सुनना।	आदर्श वाचन
अनुकरणीय वाचन	छात्रों से उच्च स्वर में वाचन करवाना।	छात्र अनुकरणीय वाचन करेंगे।	अनुकरणीय वाचन
अशुद्धि निवारण	छात्रों द्वारा पठित पदों में होने वाले उच्चारण संबधी अशुद्धियों को दूर करना।	छात्रों द्वारा पठन।	सही उच्चारण
कठिन शब्द	कठिन शब्दों के अर्थ **बताए जाएंगे।** मदहोश – नशे में पागल चराचर – जड़ और चेतन संसार चूक – भूल	छात्रों द्वारा शब्दों के अर्थ अपनी अभ्यास-पुस्तिका में लिखना।	‘ शब्दों के अर्थ मचल – पाने की ज़िद करना पाश – बंधन, जकड़ मद – नशा
व्याख्या	**द्वितीय अन्विति :-** हे मेरे.....ले मुझसे। • भगवान का अपने भक्त के प्रति प्रेम। • ईश्वर का गुणगान। • ईश्वर के द्वारा ही सकल कार्य की सिद्धि होना।	कविता को हृदयंगम करने की क्षमता को विकसित करने के लिए कविता को ध्यान से सुनना। कविता से संबधित अपनी जिज्ञासाओं का निराकरण करना।	प्रसंग – कवि का नाम कविता का नाम व्याख्या – काव्य –सौंदर्य –प्रसाद गुण शांत रस अनुप्रास अलंकार

काव्य सौंदर्य	काव्य– सौन्दर्य की जानकारी देना।	छात्र जानकारी लेंगे।	प्रसादगुण शांत रस अनुप्रास अलंकार खड़ी बोली
बहुविकल्पीय प्रश्न	अक्क महादेवी किस आंदोलन से जुड़ी थी? क वैष्णव आंदोलन ख ‘ शाक्त आंदोलन ग ‘ शैव आंदोलन घ भक्त आंदोलन	छात्र बहुविकल्पीय प्रश्न बनाकर कापी में लिखेंगे।	अक्क महादेवी की प्रवृति – – – थी? क सरल ख ‘ गंभीर ग ‘ शांत घ विद्रोही **उत्तर – विद्रोही**
बोधात्मक प्रश्न	1 ओ चराचर! मत चूक अवसर– इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। 2 कवयित्री ईश्वर को पाने के लिए क्या त्याग देना चाहती है?	छात्र प्रश्नों को कापी में लिखेंगे।	स्वयं भी प्रश्न तैयार करें।
व्याकरणिक ज्ञान	कविता में आए व्याकरण का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना। • तुकांत शब्दों का प्रयोग • विराम चिह्नों का प्रयोग	व्याकरण के इन अंगों के नियम, प्रयोग एवं उदाहरण को अभ्यास-पुस्तिका में लिखना।	ओ चराचर ! विस्मयाबोधक चिह्न– ! ईर्ष्या , जला मत अल्प विराम चिह्न – ,
कठिनाई निवारण	विद्यार्थियों से कविता से संबंधित समस्याएं लेकर उनका निवारण किया जाएगा।	छात्र अपनी समस्याएं रखेंगे।	समस्या समाधान

पुनरावृति :–

1 लक्ष्य प्राप्ति में इंद्रियाँ बाधक होती हैं – इसके संदर्भ में अपने तर्क दीजिए।

2 ओ चराचर ! मत चूक अवसर – इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

3 ईश्वर के लिए किस दृष्टांत का प्रयोग किया है।

4 दूसरे वचन में क्या कामना की गई है ? इसे भूलने की बात क्यों कही गई है ?

गृह – कार्य :-

1. कविता का सही उच्चारण के साथ उच्च स्वर मेँ पठन करना।
2. पाठ के प्रश्न – अभ्यास करना।
3. कविता का केन्द्रीय भाव संक्षेप में लिखना।
4. पाठ में आए कठिन शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग करना।